# एक अनुदेशक के भूमिकायें और जिम्मेदारियाँ (Roles & Responsibilities of an Instructor)

**उद्देश्य :** इस पाठ के अन्त में आप निम्नलिखित कार्य करने योग्य होंगे :

- **शिक्षक, प्रशिक्षक और प्रशिक्षक के संबंध में अंतर कर पायेंगें**
- **एक प्रशिक्षक की भूमिकायें को बता पायेंगें**
- **एक प्रशिक्षक की जिम्मेदारियाँ को समझा पायेंगें।**

**टीचर (शिक्षक) (Teacher ):** वह व्यकित होता है जो औपचारिक शिक्षा के आधिकारिक संस्थानों मे ज्ञान प्रदान करने के काम करता है और जो उसके द्वारा लिये गये शिक्षार्थियों की संपूर्ण सीखने की प्रगति के लिए जिम्मेदार होगा।

इसमें वो शिक्षक भी शामिल होंगें जो प्रीस्कूलों, स्कूलों और विश्वविद्यालय में है।

**ट्रेनर (प्रशिक्षक) (Trainer ):** वह व्यक्ति है जो शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने वाले नए शारीरिक योग्यता को प्राप्त करने में किसी का मार्गदर्शन और समर्थन करता है। व्यवस्थित तरीके में वांछित (डेज़ायर) लक्ष्य को प्राप्त करने में सही तरीके को मार्गदर्शन करता है।

कुछ उदाहरण: जिम ट्रेनर, स्पोर्टस ट्रेनर, डान्स ट्रेनर।

**इंस्ट्रक्टर (प्रशिक्षक/अनुदेशक) (Instructor) :** वह व्यक्ति है जो सीखने की गतिविधि के दौरान शिक्षार्थियों को लाइव वार्तालाप प्रदान करता है जो कार्यक्रम का हिस्सा है।

एक प्रशिक्षक (Instructor) एक शिक्षक के बिना कार्य नही कर सकता या तो प्रशिक्षक ने एक शिक्षक के रूप में कार्य किया हो या ऐसा करने के लिए एक अलग शिक्षक होना चाहिए। उदाहरण: फ्लाइट अनुदेशक के केस में।

### एक अनुदेशक की भूमिकायें (Role of an Instructor)

अनुदेशक का प्रशिक्षण संस्था में रखने के लिए निम्नलिखित भूमिकायें है

### एक आयोजक के रूप में (As an Organizer)

- **प्रशिक्षण प्रोग्राम का आयोजन (Organize a training programme):** प्रदान किये गये पाठ्यक्रम के आधार पर अनुदेशक को आगे का विशलेषण करके सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना होता है।
- **प्रशिक्षण सामग्री की तैयारी (Prepare training material):** कोर्स के शूरू करने से पहले प्रशिक्षक को विभिन्न प्रकार के शिक्षण सहायक जैसे पाठ योजना, सूचना पत्र, प्रशिक्षण सहायक प्रदर्शन योजना आदि तैयार करने होते है। इसके लिए बहुत अधिक तैयार की आवश्यकता होती है।
- **प्रशिक्षण प्रोग्राम का संचालन (Conduct a training programme):** एक व्यवसायिक प्रशिक्षक का मुख्य कार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करना है जिसमें योजना, तैयारी, प्रस्तुति, परीक्षण और मूल्यांकन शामिल है।
- **कार्यशाला प्रदर्शन (Workshop demonstration):** विशेष कौशल प्राप्त करने के लिए कुछ निश्चित चरणों का पालन करना होगा जैसे कपड़े की सिलाई, एक प्रशिक्षक को पाठ्यक्रम के अनुसार सभी औजारों और उपकरणों की खरीदी करनी होती है और उनको ठीक से बनाये रखना होता है। चाकबोर्ड पर स्टाइल फीचर (शैली की सुविधा) को बनाना होता है। और फिर प्रशिक्षक को बोर्ड या पेपर पर उसी की ड्राफ्टिंग करनी होती है। पेपर पेटर्न को कपड़े पर चिन्हित करना होताहै और फिर कटिंग को प्रदर्शन किया जाता है१ सिलाई मशीन की मदद से कटे हुए हिससे को सिल दिया जाता है प्रदर्शन में भाग लेने से प्रशिक्षु पूरी कटिंग और सिलाई की प्रक्रिया सीखेंगें।
- **अभिवृत्ति निर्माण (Attitude Formation):** एक प्रशिक्षक को प्रशिक्षक के प्रति प्रशिक्षुओं के रवैये को सुधारने के लिए प्रेरित और मार्गदर्शित करना होगा। इसके बिना वो उस कोशल को प्राप्त नही कर पायेंगें जो सिखाया गया है।
- **मूल्यांकन और ग्रेंडिंग (Evaluation & Grading):** कोई भी प्रशिक्षण पूरा नही किया जा सकता यदि उसका सही मूल्यांकन और वर्गीकरण नहीं किया गया हो। प्राप्त किये गये अनुदेशात्मक उद्देश्यों की सीमा को परीक्षण और मूल्यांकन के माध्यम से जाना जायेगा। ग्रेडिंग से शिक्षार्थियों को पिछले परीक्षण की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। शिक्षण में प्रशिक्षक की दक्षता भी मूल्यांकन और ग्रेडिंग के माध्यम से जानी जायेगी।

### एक प्रबंधक के रूप में (As a Manager)

- **औजारों और उपकरणों का रखरखाव (Maintenance of tools & equipments):** प्रशिक्षण के लिए विभिन्न प्रकार के औजारों और उपकरणों की आवश्यकता होती है।
- **प्रेक्टीकल प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण (Supervise the practical training):** प्रेक्टीकल अभ्यास के समय प्रशिक्षुओं के साथ प्रशिक्षक का उपस्थित होना बहुत आवश्यक है प्रशिक्षुओं को थ्योरी ज्ञान देकर और फिर उन्हें प्रेक्टीकल काम करने के लिए कहना पर्याप्त नही है जबकि प्रशिक्षुओं की देखरेख और मार्गदर्शन के लिए प्रशिक्षक को शारीरिक रूप से उपस्थित होना चाहिए।
- **संस्था के साथ संपर्क (Liaison with the institution):** प्रशिक्षक प्रशासन और प्रशिक्षणार्थियों के बीच की कड़ी है इसलिए प्रशिक्षण व्यवसाय के प्रशिक्षक की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रशासन को देता है। इसके साथ ही प्रशिक्षक छात्रों को प्रशासन द्वारा जारी किये गये निर्देशों के बारे में बताता है।

### छात्र की तरह (As a Student)

व्यवसायिक प्रशिक्षक के हमेशा अपनी ज्ञान को हमेशा अपग्रेड करना चाहिए नवीनतम तकनीक में बदलाव के आधार पर उसका नवीनतम तकनीक के साथ साथ अपने कौशल को भी अपग्रेड करना चाहिए।

**प्रशिक्षक की जिम्मेदारियाँ (Responsibilities of an instructor)**

शिक्षण अधिगम के प्रति विभिन्न जिम्मेदारियाँ निम्नलिखित है-

- प्रशिक्षणाथियों/शिक्षार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व
- प्रशासन के प्रति उत्तरदायित्व
- उद्योगों के प्रति उत्तरदायित्व
- समाज और राष्ट के प्रति उत्तरदायित्व
- स्वयं के प्रति उत्तरदायित्व
- व्यापार/पेशा के प्रति उत्तरदायित्व
- मात-पिता के प्रति उत्तरदायित्व

**शिक्षार्थी/प्रशिक्षणार्थी के प्रति उत्तरदायित्व (Responsibility towards the learners trainees):**

प्रशिक्षु प्रशिक्षण के लिए संस्थान में आते है और उनका उद्देश्य के सक्षम कारीगर बनना है। प्रशिक्षुओं के उद्देश्य को पूरा करने के लिए प्रशिक्षक कोसही तरह से उनकों गाइड ओर निर्देशित करना चाहिए। सेड्युल के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूरा करना चाहिए।

- प्रशिक्षुओं को प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और औसत स्तर वाले प्रशिक्षुओ को मानक स्तर पर माना।
- कच्चे माल का उपयोग करने के एिव्ल प्रशिक्षुओं के सुरक्षित दृष्टिकोण और सुरक्षित रूप से विकसित करना जो सीखने के उद्देश्य से दिया गया है।
- कच्चे माल का आर्थिक रूप से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षुओं के दृष्टिकोण और सुरक्षित कामकाजी आदतों को विकसित करना जो सीखने के उद्देश्य के लिए दिए गए हैं।
- अच्छी आदतें जैसे कार्यशाला सुरक्षा समय प्रबंध आदि विकसित करना।

**प्रशासन के प्रति उत्तरदायित्व (Responsibility towards the administration):**

एक प्रशिक्षक के रूप में, वह प्रशिक्षणार्थी और प्रशासन के बीच कड़ी होता है। उन्हें होना चाहिए

- प्रशासन के प्रति ईमानदार और निष्ठावान
- प्रशासन के प्रशिक्षण और सहायता के लिए काम काजकारी नीतियों का व्याख्याकार और संचारक
- प्रशिक्षक को अपने अपवहन मे सामग्री को बर्बाद नही करना चाहिए।
- क्षेत्र भ्रमण और प्लेसमेंट आदि के द्वारा उद्योगों से संपर्क करना।

**उद्योगों के प्रति उत्तरदायित्व (Responsibility towards the industries):**

चूंकि औद्योगिक प्रतिष्ठान लाभदायी है, प्रशिक्षक होना चाहिए।

- दैनिक विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम कमें बदलाव सुझाव
- उद्योगों में नवीनतम तकनीक, उपकरण, सामग्री के बारे में खुद को अपडेट करना।
- क्षेत्र भ्रमण और प्लेसमेंट आदि के द्वारा उद्योगों से संपर्क करना।

**समाज और राष्ट्र की ओर उत्तर दायित्व (Responsibility towards the society and nation):**

शिक्षण विशेष व्यवसाय में कौशल और ज्ञान प्रदान करने से अधिक है इस तरह के प्रशिक्षण को समग्र (पूर्ण) रूप से समाज और राष्ट्र के लिए विकसित किया जाना चाहिए इसके लिए प्रशिक्षण निम्नानुसार शिक्षार्थी को प्रभावित कर सकते है।

- समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करके
- उन्हें यह एहसास दिलाएँ कि जब उन्हें समाज से कुछ मिलता है तो उनको भी समान में योगदान देना होगा।
- समाज का निर्माण आखिरकार एक राष्ट्र का निर्माण होता है प्रशिक्षुओं को एक राष्ट्र के निर्माण की इस भावना को विकसित करना चाहिए।

**स्वयं (हिमसेल्फ/हर सेल्फ) के प्रति उत्तरदायित्व (Responsibility towards herself/himself):**

प्रशिक्षक का काम एक नेक काम है और इस काम को करने के दौरान बहुत सारी जिम्मेदारियाँ के साथ उसे पूरा करना होता है।

- उसे अपने (पेशे/व्यवसाय) के प्रति ईमानदार और निष्ठावान होना चाहिए।
- अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अधिकतम प्रयास करने चाहिए।
- सुखद शिष्टाचार को विकसित करें।
- पेशें/व्यवसाय की गरिमा को बनाये रखना।
- अच्छे स्वास्थ्य को बनाये रखना और ज्ञान को अपडेट करना
- सिखने में रूचि लें

**पेशे/व्यापार के प्रति उत्तरदायित्व (Responsibility towards the profession):**

प्रशिक्षक को शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए अपने ज्ञान और कौशल को लगातार अपडेट करना होगा। शिक्षण अधिगम Teaching Learning की प्रक्रिया में सुधार से मतलब निम्न नवीन रणनीतियों और तकनीक से होगा जो प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण सुधार लायें।

**वह ऐसा कर सकता है (He can do this by):**

- नवीन तरीकों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपना सकता है।
- शोध निष्कर्षों की मूल बातें और परिणामों को समझना
- बेहतर और परीक्षित की गई रणनीतियों और तकनीकों को पालना करना।
- आत्मसुधार के लिए स्वः अध्ययन सामग्री का उपयोग
- विभिन्न सिद्धांतों और कारकों की पहचान जो उत्पादक सीखने और पाठ्यक्रम सामग्री को विकसित करने में सहायता करते है और उनका सावधानीपूर्वक उपयोग करते है।

**माता-पिता के प्रति उत्तरदायित्व (Responsibility towards the Parents):**

प्रशिक्षक के रूप में उन्हें प्रशिक्षुओं के साथ संपर्क करना चाहिए वह माता-पिता और प्रशिक्षुओं के बीच की कड़ी भी हो इसलिए उसे

- उसे प्रशिक्षुओं की प्रगति और कमियों के बारे में सूचित करना चाहिए।
- प्रशिक्षुओं के भविष्य के कैरियर को तय करने में माता-पिता का मार्गदर्शन करना चाहिए।